**स्थानीय प्रतिनिधियों को विधायी प्रक्रिया में अपनी बात रखनी चाहिए क्योंकि वे लोगों और प्रशासन के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं : श्री ओम बिरला**

**पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करने के लिए स्थानीय प्रतिनिधियों को पर्याप्त प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए: श्री बिरला**

**श्रीनगर, 01 सितंबर, 2021:** जम्मू और कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र के एक सप्ताह के दौरे के अंतिम चरण में, लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज गुलमर्ग में जिला विकास परिषदों (डीडीसी), ब्लॉक विकास परिषदों (बीडीसी) और पंचायतों के प्रतिनिधियों से भेंट की।

श्री बिरला ने पंचायत राज प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के दौरान कार्यपालिका को जवाबदेह बनाने में जमीनी स्तर की लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि डीडीसी, बीडीसी और पंचायतों को नियमित रूप से बैठकें करनी चाहिए, लोगों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए और सरकारी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन की जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए। श्री बिरला ने कहा कि इन संस्थाओं को अपने नियम और प्रक्रियाएं भी तैयार करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रतिनिधियों को विधायी प्रक्रिया में अपनी बात रखनी चाहिए क्योंकि वे लोगों और प्रशासन के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं और इस प्रकार वे लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करने की बेहतर स्थिति में हैं।

श्री बिरला ने कहा कि स्थानीय प्रतिनिधियों को विधायी प्रक्रिया, नियमों और प्रक्रियाओं के बारे में पर्याप्त प्रशिक्षण दिए जाने से ये संस्थाएं मजबूत होंगी और विकास के लाभों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के माध्यम के रूप में कार्य करेंगी।

इस संबंध में श्री बिरला ने बताया कि लोक सभा सचिवालय पंचायतों के प्रतिनिधियों के प्रशिक्षण के लिए क्षमता निर्माण के उपाय करेगा। श्री बिरला ने जम्मू और कश्मीर के स्थानीय प्रतिनिधियों को संसद आने के लिए आमंत्रित किया ताकि उन्हें विधायी प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अनुभव हो सके।

स्थानीय प्रतिनिधियों के उत्साह तथा विकास और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए, श्री बिरला ने उनसे आग्रह किया कि वे पर्यटन को बढ़ावा देने में भागीदार बनें। उन्होंने यह भी कहा कि स्थानीय उत्पादों के विपणन के अवसर प्रदान करने से आत्मानिर्भरता में सुधार होगा और स्थानीय युवाओं और महिलाओं को रोजगार मिलेगा।

श्री बिरला ने क्षेत्र में शांति और विकास से जुड़ी पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि वह कश्मीर यात्रा के बारे में दिशानिर्देशों की समीक्षा के लिए संबंधित अधिकारियों से बात करेंगे।

श्री बिरला जम्मू और कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र की पंचायती राज संस्थाओं के सशक्तीकरण के लिए संसदीय आउटरीच कार्यक्रम का उद्घाटन करने के लिए 29 अगस्त, 2021 को श्रीनगर पहुंचे थे। बाद में श्री बिरला ने 30 अगस्त, 2021 को अनंतनाग के स्थानीय प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की।

इससे पहले, श्री बिरला ने 27 अगस्त, 2021 को लेह में लद्दाख की पंचायती राज संस्थाओं के लिए संसदीय आउटरीच कार्यक्रम का उद्घाटन किया।